सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

थोड़ा सा अभ्यास बहुत सारे उपदेशों से बेहतर है। -महात्मा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 244 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 26 दिसम्बर, 2023

भारतीय महिलाओं ने रचा इतिहास, टेस्ट... 7
फिर पूरे तेवर में आएगा इंडिया... 3
भाजपाईयों को झूठ उड़ाने के लिए... 2

लोकप्रिय यूट्यूब चैनल 4पीएम की एक और उड़ान

» 24 लाख सब्सक्राइबर के साथ फिर छूआ आकाश
» व्यूज की संख्या में आई तेजी
» जन-जन में लोकप्रिय हो रहा चैनल का नाम
» अन्य राज्यों में बढ़ रही 4पीएम की विश्वसनीयता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपनी बेबाक और जनता के मुद्दों को धारदार तरीके से गुंगी-बहरी सरकारों तक पहुंचाने की मुहिम में जुटे लोकप्रिय यूट्यूब चैनल 4पीएम ने एक और कामयाबी हासिल की है। चैनल ने दिसबंर के महीने में अपने सब्सक्राइबरों की संख्या 24 लाख के पार पहुंचा ली है। इससे पहले अक्टूबर में 20 लाख सब्सक्राइबर के साथ सभी दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। गौरतलब हों सत्ता से सवाल करने की आदत और सच को दिखाने की जिद का ही नतीजा है कि 4पीएम दिनो-दिन आगे बढ़ता जा रहा है। इससे पहले 4पीएम यूट्यूब चैनल देश का नंबर वन यूट्यूब चैनल बना। वहीं डाटा बिंग्स के ताजा आंकड़ों में 134.5 मिलियन यानी साढ़े 13 करोड़ व्यूज के साथ टॉप पॉलिटिकल कमेंटेटर्स की श्रेणी में 4पीएम देश का सबसे ज्यादा देखे जाने वाले यूट्यूब चैनल बन गया। बढ़ती लोकप्रियता

4पीएम का सत्ता से तीखे सवालों का प्रहार जारी

लोगों के प्यार और अपने सच दिखाने की जिद की बदौलत 4पीएम लगातार सफलता की सीढ़ियों को चढ़ रहा है और देश में आए दिन अपना परचम फहरा रहा है। जिस समय देश की कथित मेन स्ट्रीम मीडिया सिर्फ सत्ता वंदन में लगी हुई है, ऐसे में 4पीएम और उसके संपादक संजय शर्मा ने अपने यूट्यूब चैनल के जरिए सत्ता से तीखे सवाल करना जारी रखा और जनता के सामने लगातार सच को दिखाते रहे हैं। आज उसी सच और सत्ता से सवाल करने के हौसले का ही नतीजा है कि 4पीएम देश भर में अव्वल स्थान बनाए हुए है। 4पीएम को अब तक लगभग 14 करोड़ से भी अधिक लोग लगातार देख रहे हैं और पसंद कर रहे हैं।

सच दिखाने वाला हो तो लोग लेते हैं सिर आंखों पर

4पीएम की बढ़ती लोकप्रियता ये दर्शाती है कि सत्ता से सवाल करना लोगों को आज भी पसंद है। और हर कोई सच को ही देखना चाहता है। बस कोई सच दिखाने वाला हो। इससे पहले 13 करोड़ से भी ज्यादा व्यूज और लोगों के प्यार की बदौलत 4पीएम नंबर वन तो बन ही गया। 4पीएम की लोकप्रियता निरंतर बढ़ती जा रही है और कीर्तिमानों की नई ऊंचाईयों पर चढ़ती जा रही है। व्यूज के साथ-साथ 4पीएम के सब्सक्राइबर्स में भी काफी तेजी से इजाफा हो रहा है। यही वजह है कि देखते-देखते सब्सक्राइबर्स की संख्या 1 मिलियन से कब 2 मिलियन के करीब पहुंच गई पता ही नहीं चला।

जन-जन तक पहुंच रहा 4पीएम का नाम

सच दिखाने की बदौलत ही 4पीएम को लगातार दर्शकों का प्यार मिल रहा है और 4पीएम आए दिन नई-नई बुलंदियों को छू रहा है। दिन पर दिन 4पीएम के व्यूज बढ़ते जा रहे हैं। ज्ञात हो कि 4पीएम ने पिछले कुछ वक्त से नंबर वन पर चल रहे डीबी लाइव को पीछे छोड़ दिया था।

और लगातार मिल रहे लोगों के प्यार का ही नतीजा है कि 4पीएम का परिवार निरंतर बढ़ता जा रहा है और 4पीएम की नई-नई शाखाएं लोगों के बीच आती जा रही हैं। अन्य राज्यों में इस चैनल की विश्वसनीयता परवान चढ़ती जारही है। शुरूआत में सिर्फ 4पीएम के नाम से एक यूट्यूब चैनल था। इसके बाद 4पीएम यूपी ने दस्तक दी। जिसपर यूपी की खबरों को प्रमुखता से दिखाया जाने लगा। 4पीएम नेशनल और 4पीएम यूपी को मिले प्यार व समर्थन के बाद देखते-देखते कब 4पीएम के क्षेत्रीय चैनलों में बढ़ोत्तरी हो गई और ये संख्या बढ़कर 1 से आठ पर पहुंच गई पता भी नहीं चला। वर्तमान समय में 4पीएम के नेशनल समेत कुल आठ चैनल चल रहे है।

राम की ओट में बीजेपी की नजर में सिर्फ वोट

» विपक्ष ने मोदी सरकार को घेरा
» राममंदिर उद्घाटन समारोह को राजनीति मंच बनाने का आरोप
» उद्धव बोले- राम सबके भाजपा की बपौती नहीं
» सपा ने कहा, बांटने का काम कर रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी पूरी हो गई है। राम मंदिर ट्रस्ट की ओर भारत के हर क्षेत्र के प्रमुख हस्तियों समेत राजनीतिक दलों के नेताओं को आमंत्रण भेजा गया है। इस बीच निमंत्रण को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। जहां उद्धवगुट शिवसेना ने कहा है कि राम पूरे देश के हैं बीजेपी के बपौती नहीं है वहीं सपा सांसद व पूर्व सीएम की पत्नी डिंपल यादव ने कहा कि निमंत्रण नहीं मिलेगा तो भी राम मंदिर जाएंगे। उधर सीपीआई ने इस कार्यक्रम में शामिल होने से इंकार कर दिया है। वहीं पूरे विपक्ष ने कहा हे कि सरकार हर मोर्चे पर फेल हो रही है इसलिए राम के ओट में वोट लेना चाह रही है। इसी के साथ लोकसभा चुनाव-24 से पहले एक बार फिर राम नाम की गूंज राजनीति के गलियारें में उठने लगी है। राम नाम के साथ ही हिंदु विरोधी बयान भी तारी हो रही है। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्या के विवादित बयान पर भी माहौल गरमाया है हालांकि सपा ने इससे किनारा करके इसे उनका नीजि बयान करार दिया है।

आराध्य को राजनीति में न बांधे : डिंपल

मैनपुरी पहुंचीं सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा कि राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम का निमंत्रण अगर नहीं मिलता है तो भी हम जाएंगे। भले ही निर्धारित तिथि के बाद जाएं। आराध्य को राजनीति में नहीं बांधना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को नहीं बुलाने की मांग भाजपा की सोच को उजागर करती है। भगवान राम की बात करना ही पर्याप्त नहीं है उनके आदर्श को भी अपने जीवन में उतारना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की संसद से 142 सांसदों का एकसाथ निलंबन दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। विश्व में ऐसा किसी भी देश में नहीं हुआ है। सरकार पूरी तरह डरी हुई है। केंद्र की भाजपा सरकार ने पांच साल के कार्यकाल में ईडी, सीबीआई, आयकर टीम का जमकर दुरुपयोग किया है। कहा कि सरकार सच बात सुनना नहीं चाहती है। सदन में चर्चा कराने से डरती है। तमाम तरह की बातों को उछालकर जनता का ध्यान भटकाया जा रहा है। सरकार पांच किलो आटा देने का दावा तो करती है लेकिन बेरोजगारों को नौकरी देने की दिशा में कदम नहीं बढ़ाना चाहती है।

भाजपा राम के नाम पर सिर्फ करती है दिखावा : सिब्बल

पूर्व कांग्रेस नेता व वरिष्ठ वकील एक्स पर लिखा कि बीजेपी का पूरा मामला दिखावा है। वे (भाजपा) राम के बारे में बात करते हैं लेकिन उनका आचरण, उनका चरित्र कहीं भी भगवान राम के करीब नहीं है। सच्चाई, सहनशीलता, त्याग और दूसरों के प्रति सम्मान भगवान राम के कुछ लक्षण हैं लेकिन वे ठीक इसके विपरीत करते हैं और कहते हैं कि हम राम का महिमामंडन कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम के अभिषेक समारोह में शामिल होंगे, उन्होंने कहा, मेरे दिल में तो राम हैं, मैं कोई दिखावे के लिए काम नहीं करता हूं। राज्यसभा सांसद ने उन लोगों पर कटाक्ष किया जिन्होंने राम मंदिर निर्माण पर उनके रुख पर सवाल उठाया था। वरिष्ठ वकील ने कहा कि जो लोग भगवान राम के बारे में बोलते हैं, वे उनके चरित्र को आत्मसात नहीं करते हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि यह पूरा मामला दिखावा है। राजौरी में सेना के चार जवानों की शहीद होने के बाद, राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया और कहा कि भगवान राम सोच रहे होंगे कि मेरे लोगों को क्या हुआ है।

इंडिया गठबंधन के पास कई चेहरे, कोई भी पीएम बन जाएगा : राउत

» राष्ट्रीय परिषद की बैठक से पहले इस्तीफा दे सकते हैं ललन सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव बाला साहब ठाकरे गुट के शिवसेना नेता संजय राउत ने पीएम मोदी समेत बीजेपी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई तानाशाही के खिलाफ है। हमारे पास पीएम पद के लिए कई उम्मीदवार हैं चाहे राहुल गांधी हों प्रियंका गांधी हों, इंडिया गठबंधन के पास कई चेहरे हैं उनमें कोई भी पीएम बन जाएगा। वहीं बिहार के सियासी गलियारे से चौंकाने वाली खबर है। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन ललन सिंह इस्तीफा दे सकते हैं। कहा जा रहा है कि 29 दिसंबर को राष्ट्रीय परिषद की बैठक होने वाली है और इस बैठक से पहले ही ललन सिंह इस्तीफा दे सकते हैं, सूत्रों के अनुसार ललन सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से राष्ट्रीय पद से मुक्त किए जाने का आग्रह किया था। हालांकि नीतीश कुमार ने उनसे लोकसभा चुनाव तक पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहने को कहा।

खबर है कि जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह पद छोड़ने पर अड़े हुए हैं, ऐसी स्थिति में ललन सिंह के इस्तीफा देने बाद सीएम खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकते हैं या फिर अपने किसी विश्वस्त को यह पद दे सकते हैं। राजनीतिक जानकार तो यह मानते हैं कि नीतीश कुमार ललन सिंह की जगह पर ऐसी चर्चाएं हैं कि अतिपिछड़ा जाति से रामनाथ ठाकुर या दलित समाज से अशोक चौधरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

भाजपाईयों को झूठ उड़ाने के लिए चाहिए एयरपोर्ट

» पुलिस भर्ती पर अखिलेश बोले- अभ्यर्थियों को उम्र में मिले छूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बेरोजगार युवाओं और विपक्ष के दबाव से आखिरकार यूपी में कई वर्षों के बाद पुलिस भर्ती निकली है। इस बीच कई युवा भर्ती का इंतजार करते-करते नौकरी पाने की उम्र पार कर गए। इसलिए भाजपा सरकार इस भर्ती में अभ्यर्थियों को कम से कम 3-4 साल की छूट दे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स के जरिये कहा कि भाजपा के लोग बस अड्डा तो दे नहीं पा रहे हैं और वादा हवाई अड्डे का कर रहे हैं। अखिलेश इस बारे में बदायूं में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दिए बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

अखिलेश ने कहा कि सच तो यह है कि आम जनता को नहीं, बल्कि भाजपा नेताओं को एक हवा-हवाई अड्डे की जरूरत है, जहां से वह अपने झूठ की उड़ान भर सकें। जनता का मजाक उड़ाना निंदनीय है, बदायूं की जनता इसका जवाब अगले चुनाव में भाजपा को हराकर देगी। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के विकास में भाजपा का कोई लेना देना नहीं है। पूंजी निवेश के नाम पर सिर्फ तड़क भड़क सम्मेलन किए गए। भाजपा की पूरी राजनीति झूठ को छुपाने और सत्य पर पर्दा डालने की है। कन्नौज से आए ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि समाजवादी सरकार के समय ही उनके जिले में तमाम विकास कार्य हुए थे। भाजपा सरकार में विकास बाधित हो गया है। महा ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष टुनटुन पांडेय, नेशनल इकबाल पार्टी के अध्यक्ष शशि प्रताप सिंह, विधायक मनोज पांडेय ने भी विचार रखे।

नोटबंदी के बाद बढ़ा भ्रष्टाचार

जयंत ने मुख्यमंत्री योगी को लिखा पत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में युवाओं को आयु सीमा में छूट देने हेतु राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजा है। पत्र में उन्होंने कहा है कि हाल में पुलिस भर्ती का विज्ञापन जारी हुआ है लेकिन इसमें आयु सीमा में छूट नहीं दी गई है। पुलिस भर्ती में सामान्य वर्ग के लिए आयु सीमा 18 से 22 साल है। प्रदेश में पिछली भर्ती 16 नवंबर 2018 को हुई थी। पिछले पांच साल से कोई भर्ती न होने से प्रदेश के लाखों युवा इस आयु सीमा से बाहर जा चुके हैं। ऐसे में भर्ती से वंचित युवाओं के लिए आयु सीमा में छूट दिया जाना न्यायोचित होगा। जयंत चौधरी ने मुख्यमंत्री से इस तथ्य को संज्ञान में लेते हुए युवाओं की मांग पर सहानभूति पूर्वक विचार करने की मांग की है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के चलते देश में नोटबंदी के बाद भ्रष्टाचार में वृद्धि हुई है। कालाधन बड़े पैमाने पर बढ़ रहा है। भारत को कर्जदार बनाया जा रहा है। भाजपा सरकार से मुक्ति मिलने पर ही देश में खुशहाली आएगी। अखिलेश यादव रविवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में कन्नौज के प्रबुद्ध समाज और महा ब्राह्मण समाज पंचायत के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी उनके संघर्ष में साथ रहेगी। उनकी हरसंभव मदद की जाएगी। सपा सभी को साथ लेकर चलती है। आगे बढ़ने के लिए समाजवादी पार्टी का साथ दीजिए।

यूपी की सड़कों पर होता है हवाई सफर का एहसास: शिवपाल

यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और सपा नेता शिवपाल सिंह यादव सोशल मीडिया पर आमने-सामने आ गए हैं। डिप्टी सीएम केशव ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को लेकर सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी की थी जिस पर शिवपाल ने उन्हें करारा जवाब दिया है जो कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। शिवपाल ने पलटवार करते हुए करारा जवाब दिया कि हम समाजवादी लोग तो चाहते हैं कि आप उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में हवाई अड्डा बनवा दें, लेकिन इसके पहले आप कौशांबी में एक हवाई पट्टी भी बना दें, अगर आपकी सरकार में सुनी जा रही है तो? वैसे भी पूरे प्रदेश में सड़क पर चलते हुए हवाई सफर का अहसास तो हो ही रहा है सरकार। मध्य प्रदेश में डॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद कहा जा रहा है कि भाजपा ने यूपी और बिहार में यादव वोट बैंक में सेंध लगाने का प्रयास किया है। जो कि परंपरागत तौर पर लालू यादव और अखिलेश यादव को वोट करता रहा है।

सैफई में एयरपोर्ट बन सकता है तो बदायूं में क्यों नहीं : केशव

यूपी के बिल्सी आगमन पर रोडवेज अड्डे की मांग पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने जोर देकर कहा था कि वह यहां बस अड्डा ही नहीं हवाई अड्डा भी बनवाएंगे। इसके बाद वह चले गए। लेकिन इस पर पूरी बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर फेल गया। जिस पर लोगों ने तरह तरह के मीम्स बनाए। इसके बाद पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भी एक्स पर तंज कस दिया था जिसके बाद डिप्टी सीएम ने एक्स पर लिखा कि जिस दिन से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में मोहन यादव ने शपथ ली है। सपा बहादुर अखिलेश यादव जी का हैशटैग पीडीए (परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी) के सदस्य बहुत उखड़े उखड़े हैं। जब सैफई में हवाई अड्डा बन सकता है तो बदायूं में क्यों नहीं। गौतलब है कि इससे पहले पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव ने लिखा था कि हवाई बातें छोड़े कम से कम बिल्सी में बस अड्डा और बदायूं मेडिकल कालेज को सुचारू रूप से चालू करा दें इतनी भी आपकी क्षमता नहीं है। यह बात बदायूं के लोग अच्छी तरह से जानते हैं, आप अपने लिए स्टूल की जगह कुर्सी का इंतजाम कर लें वह ही काफी है।

जलवायु परिवर्तन पर मनमोहन सरकार ने किया था सराहनीय काम : जयराम रमेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर बोलते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में 2016 में किए गए संशोधनों में शामिल होने के लिए भारत को बहुत कोशिशें करनी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि मनमोहन सरकार के दौरान प्रोटोकॉल में भारत के शामिल होने की दिशा में सफलता मिली थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि विश्व में प्रदूषण, जैव विविधता के नुकसान और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को लेकर खासा चिंता है। पर्यावरण से जुड़ी अच्छी खबर हमेशा खुशी लाती है।

साथ ही उन्होंने लिखा कि ओजोन परत 2040 तक दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में 1980 के स्तर पर बहाल हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हाइड्रोफ्लोरोकार्बन की खपत और उत्पादन को कम करने के लिए मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल है, जो 1989 में लागू हुआ। जिसमें 2016 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए। पोस्ट में लिखते हुए उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि भारत को इन संशोधनों पर सहमत होने में कितना समय लगा, पहली सफलता 2013 को राष्ट्रपति ओबामा और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के संयुक्त बयान से मिली थी। आज सत्ता में बैठे लोगों द्वारा भारत के रुख में बदलाव की तत्काल आलोचना की गई।

पूर्वांचल से आरक्षण बढ़ाओ अभियान को देंगे धार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस पूर्वांचल में अपनी ताकत झोंक कर लोकसभा चुनाव में भाजपा को घेरने की तैयारी में जुट गई है। प्रदेश नेतृत्व ने पूरे पूर्वांचल में महासम्मेलन करने की योजना बनाई है। इसी के तहत वह घर-घर जाकर कांग्रेस का प्रचार करेगी।

जातिगत विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि इस महासम्मेलन के जरिए पूर्वांचल में जातिगत जनगणना और आरक्षण के मुद्दे को धार दिया जाएगा। लोगों को यह बताया जाएगा कि जातिगत जनगणना के मुद्दे पर कांग्रेस ही अपना रुख साफ की है। अन्य पार्टिया गोलमोल बयानबाजी करके सिर्फ भाजपा को फायदा पहुंचाने का काम कर रही हैं। ज्ञात हो कि कांग्रेस की ओर से पश्चिम में जहां यूपी जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है वहीं पूर्वांचल में महासम्मेलन के जरिए गोलबंदी हो रही है। इसके तहत 26 को गाजीपुर में होने वाले पिछड़ा वर्ग के महासम्मेलन में पूर्वांचल के विभिन्न जिलों के दिग्गज जुटेंगे। इस सम्मेलन के जरिए जातिगत जनगणना कराओ, आरक्षण बढ़ाओ अभियान अभियान को धार दिया जाएगा। कांग्रेस ने पूरे प्रदेश में अलग-अलग कार्यक्रमों के जरिए लोगों में पैठ बनाने की रणनीति अपनाई है। इसके तहत दलित गौरव संवाद के बाद 20 दिसंबर से सहारनपुर से यूपी जोड़ो यात्रा निकाली गई है। यह यात्रा लखनऊ तक आएगी। पश्चिम के ज्यादातर नेता इस यात्रा में शामिल हैं। ऐसे में पूर्वांचल में भी गतिविधियां चलती रहें, इसे ध्यान में रखते हुए 26 दिसंबर को गाजीपुर में पिछड़ा वर्ग विभाग की ओर से महासम्मेलन किया जा रहा है। इसमें जौनपुर, सुल्तानपुर, बलिया, मऊ, गोरखपुर वाराणसी, सोनभद्र, मिर्जापुर सहित अन्य जिलों के पिछड़े वर्ग के कांग्रेस नेताओं को बुलाया गया है। गाजीपुर के लंका मैदान में होने वाले इस महासम्मेलन का मुख्य मुददा जातिगत जनगणना कराओ, आरक्षण बचाओ रहेगा।

» जातिगत विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज बोले- महासम्मेलन के जरिए दिखाएंगे ताकत

» गाजीपुर में लगेगा नेताओं का जमावड़ा

हिंदू धर्म नहीं धोखा है : स्वामी प्रसाद

» बोले- बीजेपी के बयान से कोई आहत नहीं होता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य अक्सर हिंदू और सनातन विरोधी बयानों से विवादों में घिर जाते हैं। एक बार फिर स्वामी प्रसाद मौर्य ने हिंदू धर्म के खिलाफ जहर उगला है। सपा नेता ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, हिंदू एक धोखा है।

वैसे भी 1995 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हिंदू कोई धर्म नहीं है, यह जीवन जीने की एक शैली है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी दो बार कहा है कि चुके हैं कि हिंदू नाम का कोई धर्म नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक कला है। उन्होंने आगे कहा,प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा है कि हिंदू धर्म कोई धर्म नहीं है। वहीं, दो महीने पहले गडकरी जी ने भी कहा, लेकिन इन लोगों के कहने से किसी की भावना आहत नहीं होती है, लेकिन स्वामी प्रसाद मौर्य कह देते हैं हिंदू कोई धर्म नहीं है बल्कि धोखा है और जिसे हम हिंदू धर्म कहते हैं तो यह कुछ लोगों के लिए धंधा। जब ये बात मैं कहता हूं तो लोगों की भावना आहत हो जाती है, लेकिन जब ये बात पीएम मोदी और मोहन भागवत कहते हैं तो किसी की भावना आहत नहीं होती है। बता दें कि सोमवार (25 दिसंबर) को समाजवादी पार्टी की महा ब्राह्मण समाज पंचायत में अखिलेश यादव ने हिस्सा लिया था। इस पंचायत में ब्राह्मण समाज ने मौर्य के विवादित बयानों का मुद्दा उठाया है।

मौर्य धर्म का अर्थ नहीं समझते : नित्यानंद

प्रतिक्रिया के जवाब में, हिंदू संगठनों की ओर से मौर्य के शब्दों के पीछे के इरादे पर स्पष्टीकरण की मांग की जा रही है। इसके अतिरिक्त , कुछ लोगों ने एक प्रमुख धार्मिक परंपरा के बारे में इस तरह की व्यापक घोषणा से होने वाले संभावित नुकसान का हवाला देते हुए सार्वजनिक माफी की मांग की है। वहीं, समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि चाहे स्वामी प्रसाद मौर्य हों या इंडिया गठबंधन का कोई भी नेता, वे धर्म का अर्थ नहीं समझते...उनकी विचारधारा तुष्टिकरण पर आधारित है और यह वोट के लिए किया जाता है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि तारा पत्नी रंग नाथ श्रीवास्तव, निवासिनी–13, सीतापुर रोड, नौबस्ता खुर्द, मड़ियांव, डिगुरिया, लखनऊ, ने एक किता प्लॉट नं–13, खसरा नं–156, रकबा– 1200 वर्गफीट, राजस्व ग्राम– नौबस्ता खुर्द, वार्ड– फैजुल्लागंज, तहसील व जिला लखनऊ, अंजलि निगम पत्नी अजीत कुमार निगम, से दिनांक 10.06.2010, क्रमांक–7362, उप–निबंधक– चतुर्थ, लखनऊ, को क्रय किया था, तथा अंजलि निगम पत्नी अजीत कुमार निगम, उपरोक्त प्लाट अरविन्द और सुरेश पुत्रगण अंगनू, से दिनांक 04.03.2009, क्रमांक–2300, उप–निबंधक– चतुर्थ, लखनऊ, को क्रय किया था, एवं अरविन्द और सुरेश पुत्रगण अंगनू उपरोक्त प्लाट वरूण सहकारी आवास समिति लिमटेड से क्रय किया था जो, दिनांक 04.04.2002 बही स. 1, जिन्द नं– 1027, पृष्ठ सं– 99/108, क्रमांक–2751, उप–चिबंधक – चतुर्थ, लखनऊ है, कहीं खो गया है एवं तारा पत्नी रंग नाथ श्रीवास्तव उपरोक्त भूमि पर निर्मित मकान को छविराज सिंह पुत्र बसंत सिंह, निवासी– 2, गायत्री नगर, नौबस्ता खुर्द, सीतापुर रोड, मोहिबुल्लापुर, लखनऊ, को विक्रय कर रहा है एवं क्रेता बंधन बैंक लिमिटेड, शाखा– सीतापुर रोड, लखनऊ, से गृह ऋण ले रहा है यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 7 दिन के अन्दर निम्न से संपर्क करें।

मृगेन्द्र बहादुर सिंह
(अधिवक्ता)
बंधन बैंक लिमिटेड
आफिस– ईडब्ल्यूएस 209–210
सेक्टर जी, जानकीपुरम, लखनऊ
मो0 9415542801, 6394317537

फिर पूरे तेवर में आएगा इंडिया गठबंधन!

सक्रिय हुए राहुल व खरगे, अन्य नेताओं से की बात

- विस चुनाव के परिणामों का असर
- बीजेपी व कांग्रेस की नजर लोस-24 चुनाव पर
- अन्य साथी दलों के प्रमुखों से होगी आगे की रणनीति पर बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया)की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के नेता व सांसद राहुल गांधी एकबार फिर सभी दलों को एकजुट करने में जुट गए है। इसी सिलसिले में उन्होंने जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार व राक्रांपा अध्यक्ष शरद पवार से बात की। दरअसल, 19 दिसबंर को हुई विपक्षी दलों की बैठक के बाद से जदयू की नारजगी की खबरें आई हैं। अब इसके बाद से राहुलगांधी ने खुद मोर्चा संभाला है। वह इस बारे में अपने राज्य इकाईयों को भी निर्देश दे रहे हैं कि वह स्थानीय दलों से बातचीत कर गठबंधन को मजबूती प्रदान करें।

कुल मिला एकबार फिर पूरे तेवर में आएगा इंडिया गठबंधन। गौरतलब हो कि इंडिया विपक्षी दलों का गठबंधन है जिसका गठन वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) से मुकाबला करने के लिए हुआ है। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने अपने प्रस्ताव में कहा कि वह बहुत जल्द उम्मीदवारों का चयन कर लेगी और विपक्षी गठबंधन इंडिया को बीजेपी के खिलाफ एक प्रभावी ढाल बनाने के लिए कदम उठाएगी। ऐसे में राहुल गांधी की नेताओं से बातचीत को इसी कड़ी में देखा जा रहा है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार से बात की। राहुल ने सीएम नीतीश को फोन किया। इन दोनों नेताओं के बीच उस दिन बात नहीं हो सकी। राहुल गांधी जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख से बात नहीं कर सके क्योंकि वह एक बैठक में थे। वहीं जब नीतीश कुमार ने राहुल गांधी से बात करनी चाहिए, तो राहुल कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में थे। हालांकि बाद में दोनों के बीच बात हो गई। इस बीच कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने नीतीश कुमार से बात की है। राहुल गांधी-नीतीश कुमार की बातचीत का क्या एजेंडा और यह कब होगी। इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हालांकि ऐसी अटकलें हैं कि राहुल गांधी और नीतीश कुमार बुधवार की बैठक के नतीजों पर बात करेंगे। इंडिया गठबंधन की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पीएम उम्मीदवार के रूप में प्रस्तावित किया गया था। इस बैठक के बाद से ही नीतीश कुमार नाराज बताए जा रहे हैं।

हम सब मिलकर लड़ेंगे : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मीडिया और लोगों को संबोधित किया। उन्होंने सांसदों के निलंबन की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि जब अच्छा कानून आता है तो हम समर्थन करते हैं, लेकिन सरकार जो कर रही है, वह सही नहीं है, उन्होंने बीजेपी और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हमारे संविधान के तहत, हर किसी को बोलने का अधिकार और आजादी है, यह आजादी हमको मिली है जवाहरलाल नेहरू से, महात्मा गांधी से, डॉ आंबेडकर से, उन्होंने हमें यह आजादी दिलाई, आपके घर से कोई भी नहीं है आजादी दिलाने वाला। वो लोग हमको कहते हैं कि देश को बर्बाद कर रहे हैं, सबको बाहर निकाल दिया है। आपने सांसदों को बाहर निकालकर तीन कानून पास कर दिए। मल्लिकार्जुन खरगे ने आगे कहा, जब हम (संसद में) नोटिस देते हैं तो हमें नोटिस पढ़ने का मौका भी नहीं दिया जाता है, क्या मुझे यह कहना चाहिए कि भाजपा सरकार एक दलित को बोलने नहीं दे रही है? आप हमारे बोलने का अधिकार नहीं छीन सकते, अब हमें एक साथ लड़ना होगा। अपने भाषण में खरगे ने बीजेपी की ओर से ईडी और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसी के दुरुपयोग का मुद्दा भी उठाया, उन्होंने कहा, आज मोदी जी हर चुनाव में हमारे कार्यकर्ताओं को, जहां कहीं भी चुनाव आता है, उन्हें ईडी का डर, सीबीआई का डर, इनकम टैक्स का डर, हर तरह से डराती है, यह कांग्रेस पार्टी डरने वाली नहीं है, हम डटकर लड़ेंगे।

राहुल-पवार के मुलाकात से निकलेगी बात

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के चीफ शरद पवार से मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय पर हुई जब नई दिल्ली के अशोका होटल में मंगलवार (19 दिसंबर) को ही विपक्षी गठबंधन इंडिया की चौथी बैठक हुई थी। गठबंधन इंडिया की मीटिंग में सीट शेयरिंग, साझा रैली और पीएम फेस सहित कई मुद्दों को लेकर चर्चा हुई। विपक्षी गठबंथन के सामने सबसे बड़ा सवाल सीट शेयरिंग को लेकर ही माना जा रहा है। ऐसे में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और शरद पवार की मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। ऐसा कहा जा रहा है आगे की रणनीति भी इस मुलाकात के बाद बनेगी। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर महाराष्ट्र में सीट बंटवारा करना बड़ी चुनौती है, यहां पर महाविकास अघाडी यानी कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी के बीच पहले से ही गठजोड़ है, ऐसे में सवाल है कि महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से किसके पास कितनी सीटें जाती हैं? महाराष्ट्र के अलावा यूपी, पश्चिम बंगाल, पंजाब और दिल्ली में भी सीट शेयरिंग को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया के सामने सवाल है।

पीएम चेहरे को लेकर है माथा-पच्ची

दरअसल विपक्षी गठबंधन की 19 दिसंबर को हुई बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खरगे को विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की पैरवी की थी। हालांकि, खरगे ने कहा था कि चुनाव जीतने के बाद ही प्रधानमंत्री पद के चेहरे के बारे में फैसला किया जाएगा। सूत्र ने बताया कि नीतीश कुमार का इंडिया गठबंधन के नेताओं के साथ कई मुद्दों पर टकराव हुआ है। जिसमें से गठबंधन का नाम बदलकर भारत करना भी शामिल था। लेकिन इस प्रस्ताव को सोनिया गांधी ने खारिज कर दिया था। इसके अलावा हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन से भी नीतीश कुमार खुश नहीं हैं। इस हार के चलते कांग्रेस और घटक दलों में सीट-बंटवारे भी मुद्दा बना हुआ है। हालांकि इंडिया गठबंधन के घटक दलों के साथ सीट बंटवारे के सवाल पर कांग्रेस नेता के सी वेणुगोपाल ने कहा था कि पार्टी की राष्ट्रीय गठबंधन समिति कांग्रेस की क्षेत्रीय इकाइयों की राय ले रही है और फिर सहयोगी दलों के साथ बातचीत करेगी।

राहुल व मोदी के बीच लोकप्रियता की जंग

भारत जोड़ो यात्रा से लोकप्रियता में शिखरता को छू रहे राहुल गांधी को पांच राज्यों में हुए विधान सभा चुनावों में हार की वजह से झटका लगा है। वे फिर कुछ दिनों से लोकप्रियता के ग्राफ में नीचे आग गए हैं। हालांकि मोदी को छोड़कर व अन्य नेताओं से आगे ही हैं। वहीं विश्लेषकों का मानना है कि अगर राहुल गांधी एकबार फिर दम लगा दें तो वह मोदी को परेशान कर सकते हैं। उधर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विरोधियों द्वारा लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये जाते रहे हो पर इसमें कोई दो राय नहीं कि आज की तारीख में लोकप्रियता में दुनिया के दिग्गज नेताओं में शीर्ष पर कोई नेता है तो वह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन या रुस के पुतिन हो या अमेरिका के ही पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता के आसपास भी नहीं टिकते है। अमेरिका की कंसल्टेंसी फर्म मार्निंग कंसल्ट द्वारा इसी माह की शुरुआत में करवाये गए सर्वे में यह साफ हो गया है कि सर्वे में हिस्सा ले रहे दुनिया के देशों के लोगों में 76 फीसदी लोगों की पंहली पसंद नरेन्द्र मोदी रहे हैं। लोकप्रियता में नकारने वाले भी केवल 18 फीसदी ही है जबकि 6 फीसदी ने अपनी कोई राय उजागर नहीं की है। इससे पहले अमेरिकी थिंक टेंक प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश के 10 में से 8 व्यक्ति नरेन्द्र मोदी के प्रति सकारात्मक राय रखते हैं। यानी कि देश के 80 फीसदी लोग नरेन्द्र मोदी में विश्वास रखते हैं। 55 फीसदी लोगों की पहली पंसद नरेन्द्र मोदी है। देश की केवल 20 फीसदी आबादी नरेन्द्र मोदी को पसंद नहीं करती है। लोकप्रियता की सूची में मजे की बात यह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन इस लोकप्रियता की श्रेणी में 8 वें पायदान पर हैं। दरअसल विश्वव्यापी लोकप्रियता अर्जित करना कोई सामान्य बात नहीं होती है। हमारे देश के लिए तो यह और भी गर्व की बात हो जाती है कि हमारे नेता की लोकप्रियता दुनिया में पहले पायदान पर है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चुनाव से पहले भारत जोड़ो यात्रा सही या गलत...

लोकसभा चुनावों में अब ज्यादा वक्त नहीं रह गया है। इसलिए सभी दल अपनी-अपनी रणनीतियों को अंजाम देने में जुट गए हैं। विपक्ष इस बार एकजुट होकर भाजपा का मुकाबला करने की योजना बना रहा है। लेकिन इससे इतर कांग्रेस के लिए 2024 के चुनाव काफी ज्यादा अहम हैं। इसलिए अब उसका पूरा ध्यान 2024 के लोकसभा चुनावों पर है। इसके लिए कांग्रेस अब अपनी रणनीति को नए सिरे अंजाम दे रही है। इस बीच हाल ही में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में कुछ नेताओं द्वारा एक बार फिर भारत जोड़ो यात्रा निकालने की बात कही गई। इन नेताओं का कहना है कि चुनाव से पहले राहुल गांधी को एक बार फिर भारत जोड़ो यात्रा निकालनी चाहिए। इसका लाभ हमें लोकसभा चुनावों में मिल सकता है। तो वहीं पार्टी के कुछ नेताओं का ये भी मानना है कि राहुल को अब यात्रा पर नहीं, बल्कि 24 के लिए इंडिया गठबंधन में होने वाली सीट शेयरिंग पर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि चुनाव में अब ज्यादा वक्त शेष नहीं रह गया है। वैसे देखा जाए तो ये सही बात है कि लोकसभा चुनावों में अब लगभग सिर्फ 4 महीनों का ही समय बाकी रह गया है।

ऐसे में अगर पार्टी जनवरी से भी भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे चरण की शुरूआत करती है और उसमें यूपी जैसे राज्य को भी साधने का प्रयास करती है, तो कितनी भी जल्दी की जाए, लेकिन फरवरी तक का समय तो चला ही जाएगा। फिर उसके बाद मार्च से तो चुनाव ही सिर पर आ जाएंगे। ऐसे में राहुल गांधी चुनावों पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। कहीं न कहीं कांग्रेस के लिए राहुल गांधी का इस समय चुनावों और सीट शेयरिंग में ध्यान देना ज्यादा जरूरी है। क्योंकि इंडिया गठबंधन के सामने सीट शेयरिंग शुरू से ही एक समस्या बनी हुई है। ऐसे में राहुल की भूमिका इस मामले को हल करने में अहम हो सकती है। क्योंकि जब-जब गठबंधन में आपस में मनमुटाव की खबरें आई हैं, हर बार राहुल ने ही आगे आकर इन मनमुटाव को दूर करने का प्रयास किया है और बीच का रास्ता निकाला है। ऐसे में सीट शेयरिंग के लिए भी राहुल की भूमिका काफी अहम हो सकती है। वहीं अगर भारत जोड़ो यात्रा की बात करें तो बेशक भारत जोड़ो यात्रा ने राहुल की छवि में काफी बड़ा बदलाव लाया है। लेकिन चुनाव में इस यात्रा का उतना असर देखने को नहीं मिला। फिर वो चाहे मध्य प्रदेश का चुनाव रहा हो या फिर राजस्थान का। दूसरे अब वक्त भी इतना नहीं बचा है कि राहुल अच्छे से यात्रा पर फोकस कर सकें। इसलिए जरूरी है कि राहुल को सीट शेयरिंग और गठबंधन पर ही ध्यान देना चाहिए। फिलहाल कांग्रेस इस समय राहुल की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर असमंजस में दिखाई दे रही है।

कांग्रेस के लिए 2024 के चुनाव काफी ज्यादा अहम हैं। इसलिए अब उसका पूरा ध्यान 2024 के लोकसभा चुनावों पर है। इसके लिए कांग्रेस अब अपनी रणनीति को नए सिरे अंजाम दे रही है। इस बीच हाल ही में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में कुछ नेताओं द्वारा एक बार फिर भारत जोड़ो यात्रा निकालने की बात कही गई। इन नेताओं का कहना है कि चुनाव से पहले राहुल गांधी को एक बार फिर भारत जोड़ो यात्रा निकालनी चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सुचारु संचालन से ही फलदायी होंगी योजनाएं

दीपिका अरोड़ा

राष्ट्र के सर्वांगीण विकास हेतु, सरकारों द्वारा समाज के हित में अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं किंतु बात जब समुचित प्रबन्धन की हो तो अधिकतर योजनाएं त्रिशंकु अवस्था में झूलती प्रतीत होती हैं। हरियाणा के ही एक जिले का उदाहरण लें, जहां 'संतुलित पोषाहार योजना', ईंधन अनुपलब्धता को लेकर संघर्षरत दिखाई पड़ी। मीडिया में छपी रिपोर्टों के अनुसार, जिले के अंतर्गत स्थापित लगभग 1281 आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 32 हजार बच्चों को विगत दो वर्षों से लंबित ईंधन बजट न मिल पाने के कारण सूखे राशन के रूप में मुरमुरे, चना, मूंगफली गिरी आदि खाकर ही संतुष्ट होना पड़ा। ईंधन-व्यवस्था न होने के चलते खिचड़ी, परांठा, मीठा व नमकीन दलिया जैसे दिनानुसार सूचीबद्ध भोज्य पदार्थ पोषाहार थाली से गायब हो गए। जानकारी के अनुसार, कुछ माह अपने स्तर पर व्यवस्था करने वाले आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायकों को अंततः इस विषय में विरोध दर्शाना पड़ा।

जैसा कि सर्वविदित है, भोजन जीवन की मूलभूत आवश्यकता है। न केवल पर्याप्त मात्रा में इसकी उपलब्धता महत्वपूर्ण है बल्कि पोषण के स्तर पर आहार का सम्पूर्ण होना भी जरूरी है। खाद्य संसाधनों की स्थिति, उपलब्धता तथा उपयोग की अनिवार्यता के मद्देनजर ही 8 मार्च, 2018 को सरकार द्वारा 'पोषण अभियान' यानी राष्ट्रीय पोषण मिशन की शुरुआत की गई। योजना का उद्देश्य कुपोषण की चुनौती से निपटने एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु व्यापक रणनीति तैयार करना, पर्याप्त पोषक आहार सर्वसुलभ करवाना एवं पोषण की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। निर्धारित नवीन मापदंड के अनुसार, पोषाहार योजना के माध्यम से सरकार सभी गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा 6 माह से 6 वर्ष के बच्चों के पोषण हेतु पका हुआ भोजन व सूखा राशन प्रदान करती है। योजना के अंतर्गत, बच्चों को पौष्टिक आहार देने के साथ कुपोषित बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं। पोषण एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य में स्वास्थ्य तथा विकास का मूलमंत्र है। विशेषकर गर्भावस्था से बाल्यकाल तथा किशोरवय की चरणबद्ध विकास प्रक्रिया के तहत, बच्चों के शारीरिक, बौद्धिक तथा मानसिक विकास हेतु सम्पूर्ण आहार उपलब्ध होना अत्यधिक महत्व रखता है। बाल्यकाल में तीव्र गति से होने वाले विकास के मद्देनजर, आहार में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिनों तथा

खनिजों का समुचित मात्रा में समावेश होना अत्यंत आवश्यक है। संतुलित आहार बच्चों की हड्डियां तथा मांसपेशियां मजबूत बनाने के साथ, स्वस्थ मस्तिष्क तथा तंत्रिका प्रणाली के निर्माण एवं विकास हेतु आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है। अल्प पोषण अथवा पोषण युक्त आहार का अभाव बालकों का समुचित विकास अवरुद्ध करके उन्हें असामान्य बना सकता है। उनकी बुद्धिमत्ता प्रभावित हो सकती है, रोग प्रतिरोधक क्षमता भी क्षीण हो जाती है। भूख व कुपोषण न केवल स्वास्थ्य समस्याओं की जड़ हैं अपितु लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को भी प्रभावित करते हैं। बच्चों की शिक्षा पर भी इसका प्रतिकूल असर देखा गया।

खाद्यान्न वितरण योजनाएं चलाए जाने के बावजूद आज भी भारत की कुल जनसंख्या का एक बहुत बड़ा हिस्सा न केवल खाद्य सुरक्षा से वंचित है, बल्कि पर्याप्त मात्रा में उसे पोषक आहार भी उपलब्ध नहीं हो पाता। ग्लोबल हंगर इंडेक्स, 2023 के अनुसार 125 देशों में भारत को 111वें स्थान पर, बेहद गंभीर स्थिति में रखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक, देश की 16.6 प्रतिशत आबादी कुपोषण की शिकार है। पांच वर्ष से कम आयुवर्ग के 35.5 प्रतिशत फीसदी बच्चे उम्र के लिहाज से ठिगने हैं। पांच वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों में मृत्यु दर 3.1 प्रतिशत दर्ज की गई। देश में बच्चों में वेस्टिंग दर, यानी ऊंचाई के लिहाज से बहुत पतले, 18.7 प्रतिशत रिपोर्ट की गई, जो विश्व में सर्वाधिक है। सरकार के अनुसार, मापदंड पैमाने के आधार पर रिपोर्ट को भले ही संदेहास्पद आंक सकते हैं किंतु चाहकर भी देश में कुपोषण की सतही स्थिति नजरअंदाज नहीं कर सकते।

पोषाहार ईंधन अनुपलब्धता के उपरोक्त मामले में, हालांकि आईसीडीएस की ज़िला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा शीघ्र ही बजट जारी करने संबंधी आश्वासन दिया गया किंतु विचारणीय है, आखिर ऐसी स्थिति आती ही क्यों है, जब संसाधन प्राप्ति हेतु कर्मचारियों को अपने स्तर पर जुगाड़ करना पड़े अथवा असमर्थ होने पर अव्यवस्था के विरुद्ध सड़कों पर उतरना पड़े? संबंधित अधिकारियों का इस संदर्भ में क्या कोई दायित्व नहीं बनता? भारी प्रचार के साथ आरम्भ की गई योजनाओं में आखिर क्रियान्वयन को इतना महत्व क्यों नहीं दिया जाता कि वे योजनाबद्ध ढंग से समयानुसार संसाधनों से युक्त हों, निर्बाध संचालित होती रहें?

बदलाव की बयार से घाटी में जीवन संवार

हरीश मलिक

श्रीनगर एयरपोर्ट के बाहर ड्राइवरों का हुजूम है। आगन्तुक मेहमानों के नामों की तख्तियां हाथों में हैं। इन पर एक नजर डालें तो सत्तर फीसदी नाम हिंदू, दो-चार विदेशी और बाकी कश्मीर मूल के हैं। ये तख्तियां सिर्फ नामों का संकेत भर नहीं हैं, बल्कि बताती हैं कि कभी आतंक से जूझ रहा राज्य जम्मू-कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद किस तेजी से अमन की डगर पर आगे बढ़ चला है। यही वजह है कि धरती के स्वर्ग का दीदार करने के लिए यहां आने वाले पर्यटकों के आंकड़े नित नये रिकॉर्ड बना रहे हैं। जिन हाथों में तख्तियां हैं, उनमें अधिकांश युवा हैं और वे तहेदिल से अपने मेहमानों का इस्तकबाल कर रहे हैं। कभी युवाओं के हाथों में पत्थर-हथियार हुआ करते थे। मगर अब कश्मीर घाटी का युवा पत्थरबाजी-प्रदर्शन और हिंसा को छोड़कर शांति की बयार में रोजगार से जीवन संवार रहा है। अब उसके दिल में सिर्फ कश्मीर और कश्मीरियत की चाहत ही नहीं, बल्कि वह भारत को भी लखे-जिगर की तरह चाहता है। तभी तो आर्टिकल-370 के निरस्त होने के बाद बड़ी संख्या में कश्मीरी युवा भारतीय सेना में भर्ती होकर देश सेवा करने को भी आतुर हैं।

जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल-370 और 35-ए को निरस्त किए जाने की चौथी सालगिरह के चार महीने बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने संसद के फैसले पर संवैधानिक मुहर लगा दी है। लेकिन कश्मीर घाटी की आबोहवा संसद के फैसले के साथ ही बदलनी शुरू हो गई थी। पूरे जम्मू कश्मीर से सरहद तक अब आतंक की नहीं बल्कि तरक्की की बातें हो रही हैं। श्रीनगर के लाल चौक से लेकर गांवों-शहरों में सरकारी इमारतों और सरहद तक हर ओर तिरंगा लहरा रहा है। कश्मीर में अब सड़कों पर न पत्थरबाज दिखते हैं और न ही राष्ट्र विरोधी प्रदर्शन करने वाले। एक समय वह भी था जबकि पत्थरबाजी की घटनाएं आम होती थीं।

यहां तक कि इनमें लोगों की मौत भी हो जाती थी। लेकिन आर्टिकल 370 खत्म होने के बाद पत्थरबाजी में लगातार कमी आई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, आतंकवादी-अलगाववादी एजेंडा के तहत 2018 में जहां 1767 संगठित पत्थर फेंकने की घटनाएं हुईं, वहीं इस साल ये नगण्य हैं। कश्मीर घाटी में बदलाव की बयार के पीछे जो सबसे बड़ी वजह बने हैं, उन्हीं कुछ युवाओं से गुफ्तगू करते हैं तो फॉग की तरह बातें भी साफ होने लगी हैं। श्रीनगर से गुलमर्ग जाते हुए युवा वसीम आरिफ साफ-साफ स्वीकार करते हैं कि केंद्र सरकार के निर्णय ने पिछले करीब साढ़े चार वर्षों में जम्मू-कश्मीर की तसवीर और यहां के लोगों की तकदीर बदलने का काम किया है। जम्मू-कश्मीर में चाहे जिस पार्टी की भी सरकार रही हो, जिस भी दल के नेता रहे हों, उन्होंने सिर्फ अपना और अपने परिवार का ही भला किया है। कश्मीर के अवाम, युवाओं के भविष्य और रोजगार पर कभी फोकस नहीं किया। रही-सही कसर कश्मीर पुलिस ने पूरी कर दी। उसने सिर्फ अपना गुड वर्क दिखाने और प्रमोशन पाने के लिए ऐसे-ऐसे निर्दोष युवाओं को पकड़ा, जिनका अपराध या आतंक से दूर-दूर तक वास्ता न था।

वे बताते हैं कि इंडियन आर्मी ने कभी ऐसा काम नहीं किया, इसलिए हम कश्मीरी भारतीय फौज का बहुत सम्मान करते हैं। वसीम की ही बात को डल झील में शिकारे पर कहवा बेच रहा आदिल आगे बढ़ाता है। वो पढ़ाई कर रहा है और समय मिलने पर कहवा से कोचिंग फीस का खर्च निकाल लेता है। आदिल का लक्ष्य इंडियन आर्मी की सर्विस है। उसका चचेरा बड़ा भाई भी फौज में है। गुलमर्ग के पढ़े-लिखे गाइड अमहद खान के मुताबिक, पहले तो अच्छी नौकरी के अभाव में ये हालात थे कि इंजीनियरिंग, पीएचडी करने के बाद भी युवा यहां किराये की गाड़ी चलाने को मजबूर थे। तब सियासतदानों को युवाओं के भविष्य से कोई लेना-देना नहीं था। लेकिन अब केंद्र शासित प्रदेश बनने, भारत सरकार के कानून और योजनाएं लागू होने से महिलाओं को अधिकार और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने लगे हैं। यही वजह है कि अब युवा पत्थरबाजी या हथियार उठाने के बजाय अमन और खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध करने के जतन कर रहा है।

आंकड़ों में बात करें तो उनकी बात सच के बेहद करीब है। कुछ इलाकों में आतंकी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन सुरक्षा बलों के सख्त रुख के चलते ज्यादातर अलगाववादी और उनके मददगार गायब होने लगे हैं। बदले हालात में एलओसी पर भी शांति है और सरहद पार की बंदूकें खामोश हैं। आतंकी घटनाओं के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस की नीति, चाक-चौबंद सुरक्षा बंदोबस्त के चलते आतंकियों ने घुटने टेक दिए हैं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, साल 2018 से 2022 के बीच आतंकी गतिविधियों में 45.2 फीसदी की कमी आई है। आतंकी भर्ती से भी युवाओं ने मुंह मोड़ लिया है। यह आंकड़ा 2018 में 199 था, जो 2023 में घटकर सिर्फ 12 रह गया है। यही नहीं इससे घुसपैठ पर भी करारा प्रहार हुआ। घुसपैठ की घटनाएं भी 2018 में 143 के मुकाबले 2022 में सिर्फ 14 ही रह गई हैं। श्रीनगर से पहलगाम जाते हुए कश्मीरी केसर के खेतों के पास झेलम प्लाजा में बादामवीर शोरूम के मालिक आफताब आर्टिकल 370 के खातमे पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर लगने से खुश हैं। वे कहते हैं कि इस फैसले से पहले अलगाववादियों की शह पर सूबे में होने वाले बंद, हड़ताल और पत्थरबाजी से न केवल राज्य की आर्थिक सेहत पर बल्कि पूरे समाज पर बुरा असर पड़ता था। तब स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, और इंडस्ट्रीज का बंद होना रोज की बात थी।

सर्दियों में इन बीमारियों का है ज्यादा खतरा

देश के ज्यादातर हिस्सों में सर्दी का मौसम बढ़ रहा है। पिछले दिनों कई राज्यों में अचानक से मौसम में बदलाव आया है जिसके कारण अचानक से तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। सर्दियों का ये मौसम वैसे तो कई मामलों जैसे खान-पान में आनंद वाला होता है पर इस दौरान आपको सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। गिरते तापमान के साथ कई प्रकार के बैक्टीरिया और वायरस बढ़ने लगते हैं, जिसके कारण श्वसन संक्रमण सहित कई बीमारियों का जोखिम हो सकता है। इतना ही नहीं, सर्दियों का ये मौसम पहले से ही मौजूद कुछ स्वास्थ्य समस्याओं को ट्रिगर करने वाला भी हो सकता है जिसको लेकर अलर्ट रहने और बचाव के उपाय करते रहना सभी के लिए आवश्यक है।

ब्लड प्रेशर वाले रहें सावधान

ठंड का ये मौसम उन लोगों के लिए भी समस्याकारक है जिनको ब्लड प्रेशर की दिक्कत रही है। तापमान कम होने के कारण रक्त वाहिकाएं अस्थायी रूप से संकीर्ण हो जाती हैं, इससे रक्तचाप बढ़ जाता है क्योंकि संकुचित नसों और धमनियों के माध्यम से रक्त को प्रवाहित होने में समस्या होने लगती है। ब्लड प्रेशर बढ़ने की समस्या हृदय रोगों और इसके जटिलताओं को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के उपाय करते रहना सभी के लिए बहुत आवश्यक है। हाई ब्लड प्रेशर एक सामान्य बीमारी है जिसमें आपकी धमनियों में रक्त का दबाव समय के साथ धीरे-धीरे बढ़ कर इतना अधिक हो जाता है कि अंततः इसकी वजह से स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं जैसे कि हृदय रोग।

माइग्रेन की हो सकती है दिक्कत

माइग्रेन, गंभीर रूप के सिरदर्द की समस्या है, इसे साइकोसोमेटिक डिसऑर्डर भी माना जाता है। जिन लोगों को पहले से ही माइग्रेन की समस्या रही है उनके लिए सर्दियों का ये मौसम चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ठंड का मौसम माइग्रेन को ट्रिगर कर सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि ठंड के कारण रक्त प्रवाह बाधित हो सकता है, जिसके कारण सिरदर्द की समस्या के बढ़ने का खतरा हो सकता है।

सर्दी-जुकाम, फ्लू का खतरा

ठंड के महीनों में सर्दी, फ्लू और अन्य श्वसन संबंधी बीमारियां अधिक रिपोर्ट की जाती हैं। लोग अक्सर घर के अंदर रहते हैं, जिससे वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक आसानी से पहुंच जाते हैं। इसके अलावा ठंडी, शुष्क हवा प्रतिरोध को कमजोर कर सकती है, जो इन बीमारियों के खतरे को बढ़ाने वाली मानी जाती है। जिन लोगों को पहले से अस्थमा या ब्रोंकाइटिस जैसी स्वास्थ्य समस्याएं रही हैं, उनके लिए ये मौसम इन समस्याओं को ट्रिगर करने वाला भी हो सकता है।

निमोनिया का जोखिम

चीन, इन दिनों निमोनिया के गंभीर संक्रमण की चपेट में है, पिछले कुछ दिनों की रिपोर्ट के अनुसार यहां के अस्पतालों के आपातकालीन विभाग में निमोनिया की शिकायत वाले रोगियों की संख्या काफी तेजी से बढ़ी है। सर्दियों का ये मौसम निमोनिया के जोखिमों को काफी बढ़ाने वाला हो सकता है। निमोनिया के मामले सबसे अधिक ठंड के महीनों के दौरान देखे जाते हैं। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों को निमोनिया होने का सबसे अधिक खतरा होता है।

हंसना मना है

गधा- यार मालिक बहुत मारते है? कुत्ता- घर छोड़ दे? गधा- नही यार! वो हमेशा बेटी से बोलता है, तेरी शादी गधे से कर दुंगा। बस इसी उम्मीद में बैठा हूं!

1 छोटा बच्चा रोड पर पोट्टी कर रहा था, पुलिस ने उसे पकड़ लिया, जब उसे ले जाने लगे तो बच्चा बोला, ओ कानून के रखवालों, सबूत तो ऊठा लो।

पापा- नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटा- मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नही कर सकते।

सरदार ने सर्दी मे AC लगवाया, किसीने पूछा- इतनी सर्दी में AC? सरदार- ओये मैंने उल्टा लगवाया, गरम हवा अंदर और ठंडी हवा बाहर जायेगी!

आदमी भगवान से- ज़मीन से आसमान तक रोड बना दो, भगवान - असंभव कुछ और मांगो, आदमी - वाईफ को आज्ञाकारी और अकल्मन्द बना दो! भगवान - रोड सिंगल बनाउ या डबल?

पिताजी - बेटा, मेरे लिए 1 ग्लास पानी लाना, लड़का - नहीं लाऊंगा, दूसरा लड़का - रहने दो पापा, ये तो है ही बत्तमीज, आप खुद लेलो, और मेरे लिए भी 1 ग्लास ले आना!

कहानी | तेनालीराम और मटका

एक बार की बात है, किसी कारण से महाराज कृष्णदेव राय तेनालीराम से नाराज हो गए थे। वे उनसे इतना नाराज हो गए थे कि उन्होंने कहा, पंडित तेनालीरामा, अब आप हमें अपनी शक्ल नहीं दिखाएंगे और अगर आपने हमारे आदेश का पालन नहीं किया, तो हम आपको कोड़े मारने का आदेश देंगे। महाराज की यह बात सुनकर तेनालीराम वहां से चुपचाप चले गए। अगले दिन जब दरबार लगा, तो तेनालीराम से जलने वाले कुछ मंत्रियों ने महाराज के दरबार में आने से पहले ही उनके कान भरने शुरू कर दिए। उन्होंने कहा, महाराज आपके मना करने के बावजूद तेनाली दरबार में आ पहुंचे हैं। इतना ही नहीं, यहां आकर वे हंसी ठिठोली भी कर रहे हैं। यह तो आपके आदेश की अवहेलना है। उन्हें इसकी सजा मिलनी ही चाहिए। यह सुनकर, महाराज आग बबूला हो गए और अपनी गति दोगुनी करके दरबार की ओर बढ़ने लगे। वो जैसे ही दरबार में पहुंचे, उन्होंने देखा कि तेनालीराम अपने मुंह पर एक मटका पहने दरबार में खड़े हैं। बस उनकी आंखों के आगे मटके में दो छेद थे। उनकी इस हरकत को देखकर महाराज कृष्णदेव राय ने गुस्से में उनसे कहा, पंडित तेनालीराम, हमने आपसे कहा था कि आप हमें अपनी शक्ल नहीं दिखाएंगे। फिर ऐसा क्या हुआ कि आपने हमारे आदेश का पालन नहीं किया? महाराज की बात पर तेनालीराम ने कहा, महाराज मैंने आपको मेरी शक्ल कहां दिखाई? चेहरे पर तो मैंने ये गोल मटका पहना हुआ है। हां, मेरी आंखों पर मौजूद इन दो छेदों से मुझे आपका चेहरा दिख रहा है, लेकिन आपने मुझे आपकी शक्ल देखने से तो मना नहीं किया है न? तेनालीराम की यह बात सुनकर महाराज कृष्णदेव राय की हंसी छूट गई और वो ठहाका मारकर हंस पड़े। उन्होंने कहा, पंडित तेनाली, आपकी बुद्धि के आगे हमारा गुस्सा करना मुमकिन ही नहीं है। अब इस मटके को उतारें और अपनी जगह पर बैठ जाएं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज नया व्यापार शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। ठेकेदारी का काम कर रहे लोगों के लिए आज का दिन बहुत ही लाभदायक रहने वाला है।

वृषभ आज का दिन आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य भरपूर मात्रा में मिलता दिख रहा है। यदि आज आप किसी नई संपत्ति को खरीदेंगे।

मिथुन आज का दिन आपके लिए खुशियों भरा रहेगा। आज कारोबार से आपको बड़ा फायदा होने को योग बने हुए है। स्वास्थ्य के प्रति आपको सावधान रहना होगा।

कर्क आज का दिन आपके यश कीर्ति मे वृद्धि का दिन रहेगा। यदि साझेदारी में अपने किसी व्यापार को चलाया हुआ है, तो वह आज आपको भरपूर लाभ दे सकता है।

सिंह आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। पैसो के लेन-देन में आज आपको फायदा होगा। इस राशि के बिजनेसमैन के लिए आज का दिन धन लाभ कराने वाला है।

कन्या आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। आज आपके घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम के होने से परिवार में परिजनों का आना जाना होगा।

तुला आप नया बिजनेस शुरू करने का मन बनायेंगे, जिसमे घरवालों का पूरा सहयोग मिलेगा। इस राशि के विद्यार्थी आज किसी प्रतियोगी परीक्षा के लिए फॉर्म भरेंगे।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से उत्तम रहने वाला है। आज आप अपने व्यवसाय में नए नए कार्यों की खोज करेंगे और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करेंगे।

धनु आज दोस्तों और परिवारवालों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। ऑफिस में कोई बड़ा काम निपटाने की जिम्मेदारी मिलेगी।

मकर आज के दिन आप संतान के कारण परेशान रहेंगे। आज आपको संतान पक्ष की ओर से कोई निराशाजनक समाचार सुनने को मिल सकता है, जिसके कारण आप परेशान रहेंगे।

कुम्भ आज का दिन शानदार रहने वाला है। आपकी कोई खास इच्छा पूरी होगी, जिससे अपना प्रसन्न रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को पदोन्नति के साथ-साथ इंक्रीमेंट भी मिलेगा।

मीन आज का दिन आपकी व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि का दिन रहेगा, जिसके कारण आप प्रसन्न रहेंगे। आज आपको कोई पैतृक संपत्ति भी प्राप्त होती दिख रही है।

प्रियंका और परिणीति से मामूली सपोर्ट मिला : मीरा

बॉलीवुड में चोपड़ा सिस्टर्स का बोलबाला है। बड़ी दीदी प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड में अपने अभिनय का डंका पीटने के बाद अब हॉलीवुड में भी पैर जमा चुकी हैं। वहीं, छोटी बहन परिणीति ने भी हिंदी सिनेमा में अच्छा-खासा नाम कमा लिया है। लेकिन, एक चोपड़ा सिस्टर का करियर अभी मुकाम तक नहीं पहुंच पाया है। जी हां, हम बात कर रहे हैं प्रियंका और परिणीति की कजिन मीरा चोपड़ा की। हाल ही में मीरा चोपड़ा ने मिमी और तिशा दीदी के साथ अपने रिश्तों पर खुलकर बात की।

बता दें कि मीरा चोपड़ा ने फिल्म 1920 लंदन से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। बीते दिनों वे संदीप सिंह निर्देशित फिल्म सेफ्ड में नजर आईं। मीरा चोपड़ा ने हाल ही में प्रियंका और परिणीति के साथ रिश्तों को लेकर कहा कि पारिवारिक रिश्ता होने के बावजूद उनका दोनों कजिन के साथ बहुत अच्छा बॉन्ड नहीं है। मीरा ने ये भी कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में आने के बाद उन्हें दोनों बहनों से बहुत मामूली सपोर्ट मिला।

एक इंटरव्यू के दौरान मीरा ने कहा, शुरुआत से ही हमारे बीच इतनी करीबी नहीं थी, कि हम यहां दोस्त जैसा रिश्ता दिखा सकें। वह फेक होता। लेकिन मैं कह सकती हूं कि जब तीन या चार लड़कियां इंडस्ट्री से जुड़ती हैं तो वे एक-दूसरे की हेल्प करती हैं। मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ। मैंने कभी उनसे मदद नहीं मांगी और मुझे कभी उनकी तरफ से मदद नहीं मिली। ऐसा नहीं है कि सिर्फ मैंने कभी मदद नहीं मांगी, बल्कि उनकी तरफ से भी कभी मदद का प्रस्ताव नहीं मिला। मीरा चोपड़ा ने अपने बचपन के दिनों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि उनकी बहुत बड़ी जॉइंट फैमिली थी। काफी दिनों तक वे सभी एक ही घर में रहे। हालांकि, आगे एक्ट्रेस ने कहा, जब कोई बहुत बड़ा हो जाता है, तो बाकी लोग छोटे लगते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

थिएटर में लोग मुझसे जवान की मम्मी के रूप में मिलते हैं: रिद्धि

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के लिए 2023 शानदार रहा। दो ब्लॉकबस्टर, जवान और पठान देने के बाद साल की उनकी तीसरी फिल्म डंकी भी 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म जवान में शाहरुख खान के साथ काम कर चुकी एक्ट्रेस रिद्धि डोगरा हाल ही में डंकी देखने थिएटर पहुंचीं। उन्होंने एक ट्वीट शेयर कर बताया कि फिल्म के इंटरवल के दौरान क्या हुआ था। रिद्धि डोगरा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर थिएटर स्क्रीन की एक तस्वीर साझा की, जब वह शाहरुख खान अभिनीत फिल्म डंकी देख रही थीं। बाद में उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर कर खुलासा किया कि फिल्म के इंटरवल के दौरान लोग उन्हें रोकते थे और जवान की मम्मी कहकर मिलने लगे थे। उन्होंने मजाकिया अंदाज में ट्वीट भी किया कि उन्हें अपने बेटे और उनकी नई फिल्म पर गर्व है।

रिद्धि डोगरा ने लिखा, डंकी देख रही हूं। यह इंटरवल का समय है और लोग रुक रहे हैं। मुझसे जवान की मम्मी के रूप में मिल रहे हैं! रिद्धि डोगरा ने मजाकिया अंदाज में लिखा, हां हां, मुझे अपने बेटे और उनकी नई फिल्म पर गर्व है। बता दें, रिद्धि डोगरा ने जवान में आजाद (शाहरुख खान) की दूसरी मां कावेरी अम्मा की भूमिका निभाई थी । फिल्म में नयनतारा, विजय सेतुपति, दीपिका पादुकोण, प्रियामणि, सान्या मल्होत्रा, सुनील ग्रोवर सहित अन्य ने भी अभिनय किया। रिद्धि की इस पोस्ट पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने कहा, मां को फिल्म जरूर पसंद आनी चाहिए। दूसरे यूजर ने कहा, अब मां का आशीर्वाद मिल गया फिर फिल्म तो हिट ही होगी।

जल्द होगी तारक मेहता में दयाबेन की वापसी!

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

छोटे पर्दे का कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा कई साल से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। असित मोदी का यह शो सबसे लंबे समय तक चलने वाले सीरियल में से एक है। हालांकि, पिछले काफी समय से दयाबेन की शो में गैर मौजूदगी को लेकर दर्शक निराशा जाहिर कर रहे हैं, जबकि निर्माताओं ने वादा किया है कि दयाबेन के किरदार शो में जल्द ही वापस आएगा। वहीं, बीते दिनों दयाबेन के किरदार की वापसी ना होने के चलते सोशल मीडिया पर बॉयकॉट टीएमकेओसी ट्रेंड शुरू हो गया था। इस बीच अब रोशन सो?ी की भूमिका निभा रहीं मोनाज मेवावाला ने दयाबेन के किरदार को लेकर बड़ा खुलासा किया है। अभिनेत्री ने कहा कि निर्माता दयाबेन के किरदार की तलाश कर रहे हैं। तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो में दर्शक जिस किरदार की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वो दयाबेन यानी दिशा वकानी हैं। एक बार फिर दिशा वकानी के किरदार की वापसी की अटकलें तेज हो गई हैं।

असित मोदी के शो के किरदार रोशन सोढ़ी यानी मोनाज मेवावाला ने कहा, मुझे वास्तव में इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है अभिनेत्री के इस बयान के बाद सोशल मीडिया यूजर्स जमकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, दयाबेन की शो में वापसी नहीं होगी, तो हम शो नहीं देखेंगे। वहीं, एक और यूजर ने कहा, दयाबेन के बिना शो बेकार है। तीसरे ने लिखा, शो में दयाबेन की वापसी होनी चाहिए इस तरह के ढेरों कमेंटस देखने को मिल रहे हैं।

असित मोदी ने शो के 15 साल पूरे होने पर कहा था कि वे जल्द ही प्रशंसकों की पसंदीदा दयाबेन को वापस लाएंगे। उन्होंने कहा, 15 वर्षों की इस यात्रा में, उन सभी को हार्दिक बधाई। ऐसे ही एक कलाकार हैं जिन्हें हम भूल नहीं सकते। वह कलाकार हैं दया भाभी उर्फ दिशा वकानी। उन्होंने इतने सालों तक प्रशंसकों का मनोरंजन किया है और हमें हंसाया भी है। प्रशंसक उनके वापस आने का इंतजार कर रहे हैं और मैं आप सभी से वादा करता हूं कि दिशा वकानी जल्द ही तारक मेहता का उल्टा चश्मा में वापस आएंगी।

ये था सबसे सनकी राजा, जिसने बेवजह हजारों लोगों की ली जान

इंसान अगर अमीर, ताकतवर और ऊंचे ओहदे का हो, तो उसको डर भी बहुत होता है। डर इस बात का कि कहीं कोई उससे बदला लेने के लिए उसकी जान ना ले ले। जान की परवाह इतनी ज्यादा हो जाती है कि फिर वो हर किसी को शक की नजर से देखने लगते हैं। जब बात राजाओं की हो, तो ये डर और भी ज्यादा बढ़ जाता है क्योंकि ताक पर होती है गद्दी, जिसको पाने की चाहत हर कोई पालता है। दुनिया में ऐसा ही एक राजा कभी हुआ करता था, जिसे अपनी और परिवार के जान की इतनी चिंता थी कि उसने अजीबोगरीब नियम बनवा दिए थे। हालांकि, उसे दूसरे की जान की जरा भी परवाह नहीं थी, इस वजह से उसने हजारों लोगों की जान ली। ऐसे में इस राजा को अगर सबसे सनकी कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। माय लंदन, और हिस्ट्री एक्स्ट्रा वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटिश राजा हेनरी अष्टम अपनी बेतुकी हरकतों की वजह से आज तक चर्चा में रहते हैं। उनका जन्म 1491 में हुई था और मौत 1547 में हुई थी। जिस दौर में वो मौजूद थे, उस वक्त लोग उन्हें क्रूर और सनकी राजा मानते थे। आपको जानकर हैरानी होगी कि उन्होंने 57 हजार से 72 हजार लोगों की अलग-अलग अपराधों की वजह से जान ली। पर इनमें से सबसे ज्यादा लोग वो थे, जो उनके नियमों से सहमत नहीं हुआ करते थे। इस कारण उन्होंने हजारों बेवजह लोगों की जान ले ली। इस वजह से इसे क्रू भी मानते थे। रिपोर्ट के अनुसार हेनरी अपनी नपुंसकता के लिए अपनी बदसूरत बीवी को दोष दिया करते थे। यही नहीं, अपनी तमाम हारों का ठीकरा वो आसपास मौजूद लोगों पर फोड़ा करते थे। उन्होंने कई धार्मिक स्थलों में लूटपाट कर पैसे कमाए थे। हेनरी से जुड़ी सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये थी कि वो नौकरों से बिस्तर चूमने का काम करवाते थे। ऐसा इसलिए क्योंकि उसे इस बात का डर था कि जो लोग उसका बिस्तर सेट करते थे, वो उसे कभी भी जहर दे सकते हैं। इस कारण वो नौकरों से कहते थे कि उनका बिस्तर चूमें, जिससे अगर चादर में जहर लगा हो तो उससे नौकरों की मौत हो जाए।

अजब-गजब | यहां मोबाइल में बदल जाता है समय और साल

एक ऐसी घाटी जहां 2 साल आगे चले जाते हैं लोग!

रांची/जमशेदपुर। दुनियाभर के अलग-अलग इलाकों में कई ऐसे रहस्यमयी लोकेशन हैं, जहां की बातें और घटनाक्रम लोगों को रोमांचित करते हैं। झारखंड के रांची-जमशेदपुर रोड की तैमारा घाटी भी हमेशा से रहस्यमयी घटनाओं के लिए चर्चा में होती है। चर्चा की वजह भी अनोखी है। दरअसल कभी-कभी कुछ ऐसी घटना होती है जो विज्ञान की पकड़ से बाहर हो जाता है। ऐसा ही एक घटना झारखंड में भी देखने को मिलती है।

दरअसल रांची-जमशेदपुर रोड की तैमारा घाटी को जब भी कोई पार करता है तो उसके मोबाइल का समय करीब डेढ़ दो साल आगे चला जाता है। बताया जाता है कि इस इलाके में अचानक से मोबाइल के टाइम जोन बदल जाते हैं और 2023 के बदले आपको 2025 दिखने लगता है। वैसे तो प्राकृतिक सुंदरता से भरा तैमारा घाटी का यह इलाका हर किसी का मन मोह लेता है, लेकिन रामपुर से तैमारा घाटी तक का इलाका एक रहस्यमई घटना के कारण चर्चा में रहता है।

कहा जाता है कि इस घाटी में आते ही आपके मोबाइल में समय करीब दो साल आगे हो जाता है। यानि अगर आप यहां साल 2023 में जाते हैं तो आपके फोन पर 2023 के बजाय वर्ष 2025 दिखने लगेगा, मतलब आप दो साल आगे पहुंच जाएंगे। इसके अलावा मोबाइल डिवाइस की घड़ी

एक अलग समय दिखाना शुरू कर देगी है। यहां पहुंचते ही मोबाइल के वॉट्सऐप पर डेट सेटिंग का मैसेज आने लगता है।

यदि आप इस घाटी की यात्रा कर रहे है तो आपको सड़क के किनारे एक मंदिर के अलावा कुछ भी नजर नहीं आएगा जिसमें मां काली और बजरंग बली की मूर्ति बनी है। यात्री अक्सर इस मंदिर के पास रूकते है और पूजा-पाठ करते हैं। इसके बाद आगे की यात्रा के लिए रवाना होते हैं। तैमारा घाटी तक पहुंचने के लिए आपको रांची जमशेदपुर हाईवे ह।।-33 पर सफर करना होगा। यह स्थान रांची की राजधानी से करीब 30 किलोमीटर दूर है। आप चार लेन वाली सड़क के दोनों ओर पहाड़ और घाटियां देख सकते हैं। इस बरसात के मौसम में आप यहां बादलों को नजदीक से देख सकते हैं। पहाड़ों से टकराने वाले बादल आपको यहां ठंडक का अहसास कराएंगे।

हालांकि इस घटना को वैज्ञानिक सही नहीं मानते है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बिना किसी प्रयोग कर तुरंत इस घटना को सही नहीं ठहराया जा जा सकता है। वैसे रांची विश्वविद्यालय के जियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. बच्चा राम झा भी इस घटना को सही नहीं मानते है। उनका मानना है कि चुंकी तैमारा घाटी के इलाके में ग्रेनाइट का पत्थर मिलता है जिसके पत्थर में चुंबकीए गुण होता है। झा का कहना है कि किसी भी मैगनेटिक प्रभाव के चलते घड़ी का टाइम बदल सकता है लेकिन इस मामले में और खोज और अनुसंधान की जरूरत है ताकि सही तथ्य को जाना जा सकें। सोशल मीडिया पर झारखंड की तैमारा घाटी को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। भले ही तैमारा घाटी प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर एक ऐसा स्थान है जो सभी को आकर्षक लगता है। लेकिन, रामपुर और तैमारा घाटी के बीच का क्षेत्र आज भी रहस्य बना हुआ है। कहा जाता है कि इस क्षेत्र से गुजरने पर मोबाइल डिवाइस पर घड़ी और साल अपने आप बदल जाते हैं। इसलिए जब कभी भी आप इस घाटी से गुजरे तो इस अनोखी घटना को जरूर ध्यान से महसूस कीजिएगा।

दिग्गजों के दबाव में हैं मप्र के सीएम : सिंघार

नेता प्रतिपक्ष बोले- सरकार में जनसंख्या के अनुपात में स्थान नहीं मिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रदेश की नवनियुक्त मोहन सरकार के मंत्रिमंडल को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने तंज कसा है। उनका कहना है कि मोहन सरकार में महिला, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सदस्यों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में स्थान नहीं दिया गया। कई वरिष्ठ नेताओं को मंत्रिमंडल में जगह न दिए जाने पर भी सिंघार कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि उससे स्पष्ट हो गया कि पार्टी दिग्गजों के कितने दबाव में है।

तीन बार मुख्यमंत्री को दिल्ली बुलाकर नाम जुड़वाए और कटवाए गए। इनमें कई नेता ऐसे हैं जो मुख्यमंत्री से भी सीनियर हैं, ऐसे में निश्चित रूप से मुख्यमंत्री के लिए उनसे तालमेल बैठाना आसान नहीं होगा। उन्होंने मंत्रिमंडल के सभी साथियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपेक्षा करता

हूं, मंत्रिमंडल के सभी सदस्य प्रदेश के विकास में सहभागी बनेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने डॉक्टर मोहन यादव को मुख्यमंत्री बना कर सभी को चौंकाया था पर मंत्रियों के नाम पर जिस तरह की कवायद की गई। सिंघार ने कहा कि यहां तक तो ठीक पर शपथ वाले दिन तक कई नाम बदले गए। मंत्रियों के लिए कई फार्मूले बनाए गए। पर सब कुछ धरा रह गया। प्रदेश के कई इलाके मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व से वंचित रह गए। यहां तक की आदिवासी जिले धार को भी प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया। मोदी सरकार 33 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण देने के लिए विधेयक पारित कर दिया, लेकिन मंत्रिमंडल में मात्र चार महिलाओं को सदस्य बनाया गया, जबकि 9 महिला सदस्यों को मंत्री बनाया जाना था।

ब्राह्मण समाज के लोग नाराज

सिंघार ने कहा कि सबसे अधिक मतों से जीतने वाले रमेश मेंदोला को मंत्री न बनाकर कैलाश और उनके बीच में दरार पैदा कर दी गई। नौ बार से लगातार जीतने वाले कद्दावर विधायक गोपाल भार्गव को मंत्रिमंडल से बाहर का रास्ता दिखाने से प्रदेश के ब्राह्मण समाज के लोग नाराज हैं। इसी तरह से भूपेंद्र सिंह बृजेंद्र प्रताप सिंह और जयंत मलैया आदि कद्दावर विधायकों को मंत्रिमंडल से दूर रखा गया, जिससे मोहन सरकार असंतुलित रहेगी।

वसुंधरा व गहलोत की योजना पर लगा ताला

जयपुर। राजस्थान की नई भजनलाल शर्मा सरकार ने पिछली गहलोत सरकार में शुरू की गई राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्न प्रोग्राम को 31 दिसंबर से समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं। हालांकि, इस कार्यक्रम की अवधि 31 दिसंबर तक ही थी। इस कार्यक्रम की शुरुआत असल में बीजेपी की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के समय की गई थी, जिसे युवा विकास प्रेरक नाम दिया गया था। इसके बाद सत्ता में आई तत्कालीन गहलोत सरकार ने नए नाम राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्नशिप कार्यक्रम की शुरुआत की। हालांकि, पुरानी योजना भी जारी रही, जिसमें करीब 150 वैकेंसी थी। वहीं, राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्न कार्यक्रम को गहलोत सरकार ने आगे बढ़ाते हुए करीब 2,500 की वैकेंसी निकाली। इसमें 2,000 यंग इंटर्न लिए गए। बाद में इनमें से 300 को निकाल दिया गया। चुनावी साल के बजट में गहलोत सरकार ने यंग इंटर्न की वैकेंसी को 2,500 और बढ़ाने का एलान किया। लेकिन ये भर्तियां हुई नहीं। सरकार में यंग इंटर्न को पहले छह-छह महीने का एक्सटेंशन दिया गया, फिर बाद में इसे तीन-तीन महीने कर दिया गया।

नये साल में मिला बेरोजगारी का गिफ्ट : डोटासरा

प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि राजस्थान की भाजपा सरकार ने नए साल से पहले हजारों राजीव गांधी युवा मित्रों का इंटर्नशिप कार्यक्रम समाप्त कर उन्हें बेरोजगारी का गिफ्ट दिया है। अगर भाजपा की राजनीतिक दुर्भावना सिर्फ नाम से थी, तो वो नाम बदल देते लेकिन युवाओं को बेरोजगार क्यों किया? जबकि पिछली भाजपा सरकार में पंचायत सहायकों की नियुक्ति हुई थी। हमारी सरकार आने पर उनका मानदेय बढ़ाकर उन्हें स्थाई करने के प्रावधान का प्रयास किया गया। भाजपा और कांग्रेस की नीति में यही फर्क है।

बच्चों के नृत्य और गायन ने मन मोहा

एल्डर्स डे के रूप में मनाया गया वार्षिकोत्सव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्ले वे एकेडमी इंटर कालेज, गोमती नगर ने रविवार को कालेज का वार्षिकोत्सव एल्डर्स डे के रूप में मनाया। कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कॉलेज निदेशक अनिल कुमार शुक्ला ने बच्चों को कड़ी मेहनत के लिए खुद को तैयार करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अमित कुमार शुक्ला और प्रोफेसर डॉक्टर अजय कुमार शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. शुक्ला ने कहा कि अच्छी शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में अच्छे संस्कार दिए जाएं तो शिक्षा सही मायने में सम्पूर्ण कही जा सकती है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित राघवेंद्र शुक्ला और विनय अवस्थी ने कालेज के स्थापना दिवस को एल्डर्स डे के रूप में मनाने की सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से हुई जिसे कक्षा 9, 10 एवं 12 के बच्चों ने प्रस्तुत किया। कक्षा 2 एवं 3 के बच्चों ने अपने मनमोहक अंदाज में सभी का स्वागत किया। पर्यावरण सुरक्षित रखने हेतु कक्षा 5 के बच्चों ने एक नाटिका प्रस्तुत की कक्षा पी.जी. एवं नर्सरी के बच्चों ने भी मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। मेरा वाला डांस कक्षा 2 एवं मिशन मंगल 3 भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अतिरिक्त फ्यूजन डांस, अच्युतम केशवम योगा, गरबा, शुभ दिन की छटा भी दर्शनीय रही। आयोजन मे बच्चों के अभिभावकों ने बच्चों की प्रतिभा का भरपूर आनंद उठाया।

मुझे किसी से नाराजगी नहीं : नीतीश कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इंडी गठबंधन की बैठक को लेकर चल रही अटकलों पर लगाम लगा दिया था। इंडी गठबंधन की बैठक के बाद नाराजगी से सवाल पर सोमवार सुबह स्पष्ट कहा कि इंडिया गठबंधन की बैठक से हमें कोई नाराजगी नहीं है। हम जरा सा भी नाराज नहीं है। हमारी इच्छा है कि सब लोग (विपक्ष) एकजुट हो।

गठबंधन में पद के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमारी कोई इच्छा ही नहीं है इनसब के प्रति। हमारी इच्छा केवल यह है कि सब लोग एक साथ मिलकर देश का इतिहास बदलाने वालों के खिलाफ लड़ें। इधर, जनता दल (यूनाईटेड) में टूट के सवाल पर कहा कि हमारी पार्टी एकजुट है।

हिजाब प्रतिबंध हटाने में देरी पर कांग्रेस पर भड़के ओवैसी, कहा-

कर्नाटक का मुस्लिम समुदाय सीएम सिद्धारमैया से खफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। कर्नाटक में हिजाब पर लगे प्रतिबंध को नहीं हटाए जाने पर एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि राज्य में सात महीने पहले कांग्रेस पार्टी की सरकार सत्ता में आई, बावजूद इसके अभी तक राज्य में हिजाब प्रतिबंध नहीं हटा।

कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए ओवैसी ने कहा कि आदेश जारी करने में सिर्फ 30 मिनट लगते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि आखिर कांग्रेस को आदेश जारी करने से कौन रोक रहा है।

उन्होंने सीएम सिद्धारमैया पर हमला करते हुए कहा कि सीएम ने एक सभा में कहा था कि आप जो चाहे पहन सकते हैं, लेकिन एक घंटे के भीतर वह हिजाब प्रतिबंध को हटाने पर कहते हैं कि इस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं हुआ है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। सीएम सिद्धारमैया के रैवय्ये से कर्नाटक के मुस्लिम नागरिक खासा खफा हैं।

अक्षत कलश यात्रा में जुटे श्रद्धालु

गोमतीनगर में हुआ भव्य कार्यक्रम, लगे श्रीराम के जयकारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या में राम मंदिर बनने तथा अयोध्या से आए अक्षत को जन-जन तक वितरण किए जाने को लेकर स्थानीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने गोमतीनगर में अक्षत कलश यात्रा निकाली। सभी ने भव्य राम मंदिर बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम संयोजक राजीव सिंह के नेतृत्व में महामना मालवीय विद्यालय विवेक खण्ड-1 में सभी कार्यकर्ता एकत्रित हुए।

अक्षत कलश यात्रा यहीं से शुरू होकर पत्रकार पुरम चौराहे से हुसैड़िया होकर

गोमतीनगर स्टेशन होते हुए पुन: महामना मालवीय विद्यालय पहुंची जहां लोगों ने कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया। कलशयात्रा में नगर प्रचारक श्याम सिंह, राष्ट्रीय प्रचारक अवध प्रांत कमलेश, युवा नगर प्रचारक राकेश सिंह के अलावा बलवंत सिंह, ओम गुप्ता पिंटू मिश्रा, वीरेन्द्र यादव, राहुल सिंह की प्रमुख भूमिका रही।

भारतीय महिलाओं ने रचा इतिहास, टेस्ट मैच जीता

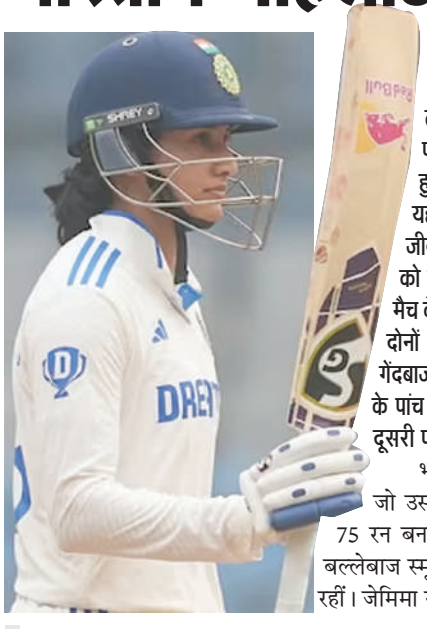

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के 28 साल में टेस्ट क्रिकेट के पहले 'घरेलू सत्र' का शानदार अंत हुआ जब मेजबान टीम ने रविवार को यहां एकमात्र टेस्ट में आठ विकेट की जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को पहली बार टेस्ट मैच में शिकस्त दी। मैच के अंतिम दिन भारत ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय गेंदबाजों ने सुबह 28 रन देकर ऑस्ट्रेलिया के पांच विकेट चटकाए जिससे मेहमान टीम दूसरी पारी में 261 रन पर सिमट गई।

भारत को 75 रन का लक्ष्य मिला जो उसने 19वें ओवर में दो विकेट पर 75 रन बनाकर हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना 38 रन बनाकर नाबाद रहीं। जेमिमा रोड्रिग्स भी 12 रन बनाकर नाबाद

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम को पहली बार टेस्ट में हराया

रहीं। भारतीय महिला टीम 1995 के बाद पहली बार किसी सत्र में घरेलू सरजमीं पर एक से अधिक टेस्ट खेल रही थी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पूरे मैच के दौरान टीम दबदबा बनाने में सफल रही। भारत ने इससे पहले डीवाई पाटिल स्टेडियम में इंग्लैंड की महिला टीम को भी एकमात्र टेस्ट में 347 रन के बड़े अंतर से हराया था। यह टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 टेस्ट में यह भारत की पहली जीत है। भारतीय महिला टीम ने अब तक 40 टेस्ट में सात जीत दर्ज की है जबकि छह मैच गंवाए है। टीम के 27 मैच ड्रॉ रहे हैं। पिछले हफ्ते इंग्लैंड के खिलाफ जीत के दौरान जहां जेमिमा, शुभा सतीश और रेणुका सिंह ठाकुर जैसे नए टेस्ट सितारे उभरे तो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 साल की रिचा घोष ने पदार्पण करते हुए 52 रन की पारी खेली। चौथे दिन की सुबह भारतीय स्पिनरों का दबदबा रहा।

स्नेह राणा (63 रन पर चार विकेट) और राजेश्वरी गायकवाड़ (42 रन पर दो विकेट) ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को समेटने में अधिक समय नहीं लगाया।

मप्र में आदिवासी नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म

» इंस्टाग्राम के दोस्तों ने किया दुराचार, चार आरोपी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

खंडवा। मध्यप्रदेश में बीजेपी फिर सत्ता में आ गई है। पिछले शिवराज सरकार में आदिवासियों पर कई बार अत्याचार की खबरें आई थीं। वहीं पीएम मोदी ने चुनाव रैलियों के दौरान कहा था कि देश चार जातियां हैं गरीब, युवा, महिला व किसान। वहीं उन्होंने आदिवासियों को पूरी सुरक्षा देने की बात भी की थी पर उन सब बातों पर उन्ही की पार्टी की बीजेपी सरकार मध्य प्रदेश में झूठला रही है। इसबार मोहन यादव की सरकार में एक दिलदहलाने वाली खबर आई है।

खंडवा जिले में कक्षा 11वीं की एक बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म की शर्मनाक घटना सामने आई है। नाबालिग

बालिका के इंस्टाग्राम पर बने चार दोस्तों ने मिलकर हैवानियत की। यही नहीं, इसके बाद इनमें से एक आरोपी ने इस आदिवासी समुदाय की बालिका को महाराष्ट्र ले जाकर दो दिन तक अपने साथ भी रखा। पुलिस ने बालिका का बयान लिया तब घटना का खुलासा हुआ। फिलहाल पुलिस ने चारों आरोपियों को खोज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से चारों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। खंडवा जिले के मूंदी थाना क्षेत्र में एक आदिवासी समुदाय की नाबालिग स्कूली छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़ित छात्रा 21 दिसंबर की शाम चार बजे स्कूल से अपने घर लौट रही थी। इस दौरान स्कूल के बाहर उसके सोशल मीडिया दोस्त अनुराग और हरिश ने उससे मुलाकात की। दो दोस्तों ने पीड़िता से कहा कि बाइक पर बैठ जाओ, हम तुम्हे गांव तक छोड़ देंगे। उसके बाद वह पीड़िता को केनूद की तरफ जंगल में ले गए। थोड़ी देर बाद एक बाइक से शाहरूख और गोल्डी यादव भी वहां आ गए। नाबालिग ने चारों से गुजारिश की कि मुझे घर जाने दो। परेशान मत करो, लेकिन चारों दोस्त जंगल से सटे गोल्डी यादव के खेत पर ले गए। वहां गोल्डी और शाहरूख ने बालिका के साथ दुष्कर्म किया और भाग गए।

पीड़िता को साथ लेकर गए महाराष्ट्र

आरोपी यही नहीं रुके। इसके बाद उनमें से एक आरोपी अनुराग ने बालिका से कहा कि मेरे साथ भागकर चलो, वह शादी कर लेगा। अनुराग के साथ नाबालिग बाइक पर बैठकर खंडवा पहुंच गई। वहां से ट्रेन में बैठाकर अनुराग उसे महाराष्ट्र के अमन नगर ले गया। जानकारी के अनुसार आरोपी महाराष्ट्र में ही काम करता था और पीड़िता को वहीं साथ रखना चाहता था, लेकिन पीड़िता ने उसके साथ रहने से मना कर दिया। इस पर आरोपी अनुराग ने पीड़िता को खंडवा वापस लाकर मूंदी जाने के लिए बस में बैठा दिया। मूंदी आकर पीड़िता ने घरवालों को घटना बताई, तब थाने जाकर मामला उजागर हुआ।

गैंगरेप के चारों आरोपी हुए गिरफ्तार

वहीं, इस पूरे मामले को लेकर मूंदी थाना प्रभारी ने बताया कि एक रिपोर्ट लिखी गई थी, जिसमें शिकायत की गई थी कि एक नाबालिक बालिका लगभग 17 साल की वो कहीं चली गई है। उसमें विवेचना की गई और उसको दस्तयाब किया गया और उसके बयान लिए गए, जिसके बाद मामले का खुलास हुआ।

क्रिसमस के अवसर पर कैथेड्रल चर्च पर प्रेयर करने पहुंचे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 25 दिसंबर का दिन क्रिसमस के रूप में पूरी दुनिया में मनाया जाता है। इस दिन को जीसस क्राइस्ट के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। कई दिनों से इसको लेकर तैयारियां चल रहीं थीं। वहीं ईसाइयों को इस दिन का बेसब्री से इंतजार भी रहता है। वहीं उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के हज़रतगंज स्थित कैथ्रेडल चर्च पर लोगों ने कैंडल्स जलाई और प्रेयर करके येशु मसीह से आशीर्वाद माँगा।

इस मौके पर कैथ्रेडल चर्च पर कैंडल जलने और प्रेयर करने बड़ी संख्या में लोग पहुँचे। लोगों ने खूब सेल्फी क्लिक की और

मस्ती की। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी इस कड़ाके की ठण्ड में हजरतगंज पहुंचे। इसके साथ लोगों ने यहाँ पहुंचकर साइलेंट नाईट, हॉली नाईट, स्वर्ग में परमेश्वर की महिमा समेत कई प्रार्थना गीत भी गए।

ईंट भट्टे की दीवार गिरी, पांच मजदूरों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» रुड़की में दर्दनाक हादसा

रुड़की। उत्तराखंड के रुड़की में मंगलवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। मंगलौर कोतवाली के लहबोली गांव में ईंट भट्टे की दीवार अचानक गिर गई। इस दौरान आधा दर्जन से ज्यादा मजदूर मलबे के नीचे दब गए। अभी तक पांच शव मलबे से निकाले जा चुके हैं। जबकि तीन की हालत गंभीर है।

जानकारी के अनुसार, सुबह ईंट पकाने के लिए चिमनी में ईंट भरते समय हादसा हुआ। मजदूर काम कर ही रहे थे कि दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। इससे पहले कोई कुछ समझ पाता दीवार के पास खड़े मजदूर मलबे में दब गए। फिलहाल जेसीबी से मलबा हटाने का काम चल रहा है। एसपी देहात समेत पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। मंगलौर कोतवाली प्रभारी प्रदीप बिष्ट ने बताया कि अब तक पांच शव बाहर निकाले जा चुके हैं। जबकि तीन मजदूरों की हालत गंभीर बनी है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से तीन मजदूर लहबोली गांव, एक मजदूर मुजफ्फरनगर और अन्य स्थानीय गांव के थे।

फोटो :4 पीएम

दीक्षांत समारोह एकेटीयू विश्वविद्यालय में 21वें दीक्षांत समारोह में उपस्थित हुईं राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल व कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल।

पूरे उत्तर भारत में बढ़ा कोहरा यातायात प्रभावित

» कड़कड़ाती ठंड से लोग बेहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में बढ़ती ठंड के बीच लोगों को घने कोहरे का भी सामना करना पड़ रहा है। इधर, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ठंड और कोहरे के साथ शीतलहर का दौर भी चल रहा है। आज सुबह भी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में घना कोहरा छाया रहा। ऐसे में लोगों को ठंड के प्रकोप से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा लेते दिखे।

मौसम वैज्ञानिकों ने मंगलवार को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा

छाए रहने की आशंका जताई थी। वहीं, अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। मौसम विभाग की मानें तो इस पूरे सप्ताह कोहरा सताएगा।

भूख हड़ताल पर बैठे शिक्षक अभ्यर्थी

» नियुक्ति की मांग को लेकर कर रहे प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण लागू करने में हुई विसंगति के कारण नियुक्ति पाने से वंचित आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने सोमवार से धरना स्थल इको गार्डन में भूख हड़ताल शुरू कर दिया है। यहां सैकड़ों की संख्या में अभ्यर्थी अपनी नियुक्ति की मांग को लेकर इको गार्डन के बाहर गेट के सामने पिछले 558 दिन से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

आरक्षण विसंगति प्रकरण पर अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया है कि विभाग के अधिकारी इस मामले को लटकाये हुए हैं। विभागीय अधिकारी मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को भी सही जानकारी नहीं देते हैं। जिस कारण से

यह मामला दिन प्रतिदिन बढ़ता चला जा रहा। अधिकारीयों का यही रवैया कोर्ट में भी है। अभ्यर्थियों की मांग है कि योगी आदित्यनाथ से वह सभी मिलना चाहते हैं। अभ्यर्थियों ने बताया कि उन्हीं से हुई मुलाकात के बाद ही आरक्षित वर्ग के 6800 चयनित इन अभ्यर्थियों की सूची जारी हुई थी। अभ्यर्थियों का कहना है कि यदि इनके मामले का निस्तारण नहीं किया जाता है तो यह भूख हड़ताल जारी रहेगी। भूख हड़ताल पर बैठे अमरेंद्र पटेल ने बताया की 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण लागू करने में घोर अनियमितता बरती गई जिस कारण आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नौकरी से वंचित कर दिया गया। इस संबंध में कई बार आंदोलन के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले का संज्ञान लिया था। साथ ही विसंगति दूर करते हुए पीड़ित आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने का आदेश दिया था।

केरल-कर्नाटक में तेजी से फैल रहा कोरोना संक्रमण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोरोना वायरस के केस भारत में फिर से बढ़ने लगे हैं। देश में 24 घंटे में कोरोना के कुल 412 नए केस मिले। 24 घंटे में 293 मरीज ठीक हुए हैं। कोरोना से पिछले 24 घंटे में तीन लोगों की मौत हुई है, ये तीनों मौत कर्नाटक में हुई है। फिलहाल देश में कोरोना के एक्टिव केस 4170 हैं। वहीं, केरल में मंगलवार को नया केस नहीं मिला।

यहां 32 मरीज ठीक हुए हैं। अब यहां पर एक्टिव मरीज की संख्या 3096 रह गई है. महाराष्ट्र में कोरोना के एक्टिव केस 168 हैं। तमिलनाडु में यह संख्या 139 है। कर्नाटक में 436 एक्टिव केस हैं। सबसे ज्यादा एक्टिव केस केरल में ही हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारत ने पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के नए वैरिएंट जेएन-1 के कुल 116 नए मामले दर्ज किए हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।